

# 21वीं सदी में महिला सशक्तिकरण: भारत केंद्रित विश्लेषण

डॉ पिंगी सोमकुवंर

सहा. प्राध्यापक (समाजशास्त्र)

शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया (मप्र)

## सारांश

21वीं सदी में महिला सशक्तिकरण एक वैश्विक मुद्दा बन गया है, जिसमें भारत भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। यह शोध पत्र भारत में महिला सशक्तिकरण की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और संभावनाओं का विश्लेषण करता है। इसमें शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, राजनीतिक भागीदारी, सामाजिक मानदंडों और कानूनी ढांचे जैसे विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई है। साथ ही, इस पत्र में भविष्य में महिलाओं की स्थिति को सुधारने के लिए सुझाव भी प्रस्तुत किए गए हैं।